

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

GST 2.0 लागू, लेकिन कितना सफल होगा यह बदलाव ? जाने विशेषज्ञों और व्यापार जगत की राय

Sanket Morankar

Published on 24 Sep 2025



भारत में **GST 2.0** को आधिकारिक रूप से लागू कर दिया गया है। यह सुधारित कर प्रणाली वित्त मंत्रालय की ओर से पेश की गई नई पहल है, जिसका उद्देश्य टैक्स प्रशासन को सरल बनाना और व्यवसायों के लिए प्रक्रियाओं को तेज करना है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह बदलाव वास्तव में व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए उतना प्रभावी साबित होगा जितना अपेक्षित है।

1. डिजिटल फाइलिंग में सुधार :

GST 2.0 के तहत टैक्स रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया को और अधिक **स्वचालित और सरल** बनाया गया है। अब छोटे व्यवसाय भी अपने कर रिटर्न आसानी से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

2. इलेक्ट्रॉनिक चालान प्रणाली :

इनवॉइसिंग के लिए अब पूरी तरह से **ई-चालान प्रणाली** लागू की गई है। इससे टैक्स चोरी पर नियंत्रण बढ़ेगा और व्यापारियों को **सटीक रिकॉर्ड रखने में मदद** मिलेगी।

3. भुगतान और रिफंड में पारदर्शिता :

नई प्रणाली में भुगतान और रिफंड की प्रक्रिया **तेज और पारदर्शी** बनाई गई है। अब व्यापारियों को रिफंड प्राप्त करने में लंबे इंतजार का सामना नहीं करना पड़ेगा।

4. समान दर और टैक्स स्लैब में सुधार :

GST 2.0 में कुछ टैक्स स्लैब और दरों को और सरल बनाया गया है। इससे **मध्यम और छोटे उद्योगों पर कर बोझ कम** होगा।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि GST 2.0 सिस्टम में डिजिटलीकरण और ट्रैकिंग को बेहतर बनाकर कर चोरी कम करने में मदद कर सकता है।

व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तकनीकी कार्यान्वयन सही तरीके से किया गया, तो **व्यवसायिक प्रक्रियाओं में समय और**

लागत की बचत होगी।

हालांकि, कुछ आलोचक कहते हैं कि **छोटे व्यवसायों और ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी चुनौती** बनी रहेगी। डिजिटल प्लेटफॉर्म का सही तरीके से उपयोग न होने पर यह सुधार अपेक्षित लाभ नहीं दे पाएगा।

- **मध्यम उद्योग** : अधिकांश उद्योगपति इस पहल को स्वागत योग्य मान रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि इससे **कर प्रक्रिया आसान और समयबद्ध** होगी।
- **छोटे व्यापारी** : छोटे व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल सिस्टम के कारण शुरुआत में **समझने और अपनाने में कठिनाई** हो सकती है। उन्हें प्रशिक्षण और सहायता की आवश्यकता होगी।
- **रिटेल और ई-कॉमर्स** : ई-कॉमर्स कंपनियों ने इसे सकारात्मक कदम बताया क्योंकि इससे **इनवॉइसिंग और रिफंड प्रक्रिया तेज** होगी।

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि **GST 2.0 का उद्देश्य व्यवसायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना और कर संग्रह में पारदर्शिता लाना है**। मंत्रालय ने छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए **ट्रेनिंग प्रोग्राम और हेल्पलाइन** की भी व्यवस्था की है।

- **तकनीकी अपनाने की चुनौती** : छोटे व्यापारी डिजिटल प्लेटफॉर्म से परिचित नहीं हैं।
[?/?/?/?/?/?]: सरकारी प्रशिक्षण शिविर और ऑनलाइन ट्यूटोरियल।
- **सिस्टम ट्रेकिंग और डेटा सुरक्षा** : डेटा लीक की संभावना।
[?/?/?/?/?/?]: मजबूत साइबर सुरक्षा और डेटा एन्क्रिप्शन।
- **आर्थिक प्रभाव** : शुरुआती दौर में व्यापारिक प्रक्रियाओं में गड़बड़ी संभव।
[?/?/?/?/?/?]: चरणबद्ध कार्यान्वयन और लगातार फीडबैक।

GST 2.0 भारत में **कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और डिजिटल** बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यदि इसे सही तरीके से लागू किया गया, तो यह व्यापारिक प्रक्रियाओं में सुधार, कर चोरी में कमी और सरकारी राजस्व में वृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हालांकि, **तकनीकी अपनाने और छोटे व्यापारियों को सक्षम बनाने** के लिए विशेष प्रयास आवश्यक हैं। यही निर्णायक कारक होगा कि GST 2.0 अपने उद्देश्य में कितनी सफलता प्राप्त करता है।